देव निराले | by Adhishtha Anushka Bhatnagar

कलयुग में देव निराले बाबा ये खाटूवाले
महिमा है इनकी अपरम्पार पूजे है सारा संसार
प्रेमी ने जब भी पुकारा लीले चढ़ काम संवारा
कहलाये जग में लखदातार पूजे है सारा संसार
कलयुग में देव निराले .....

ऐसा ये देव दयालु जग में है चर्चा भारी
अपने ही बने पराये साँची है इसकी यारी
ढूंढ लो चाहे ज़माना ऐसा ना लखदातारी
पांडव कुल के अवतारी शोभा है इनकी न्यारी
सेठों में मोटे साहूकार पूजे है सारा संसार

सुनवाई होती पल में जो भी आता है हार के
मिल जाती खुशियां सारी मौसम पाता बहार के
कट जाए विपदा सारी जो भी जाता निहार के
सूरत है भोली भाली अँखियाँ है कारी कारी
कहलाता है ये पालनहार पूजे है सारा संसार

माथे पर हीरा चमके बाघा केसरिया पहने
लीले का असवारी सांवरिया के क्या कहने
खुश होता हँसता देख के प्रेमी हैं इसके गहने
गौरव की झोली खाली झोली वो किस्मत वाली
भरते खुद श्याम धणी सरकार पूजे है सारा संसार
कलयुग में देव निराले .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%b5-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-adhishtha-anushka-bhatnagar/